प्राकृतिक संसाधन

एक प्रतीकात्मक अध्ययन

Natural Resources

A Case study

नमूना • SAMPLE

नमूना • SAMPLE

प्राकृतिक संसाधन

एक प्रतीकात्मक अध्ययन

Natural Resources

A Case study

डॉ. प्रीतम कुमार सिंह

नमूना • SAMPLE

अखण्ड पब्लिशिंग हाऊस
दिल्ली (भारत)

अखण्ड पब्लिशिंग हाऊस
एल-9ए, प्रथम तल, गली न. 42,
सादतपुर एक्सटेंसन, दिल्ली-110090
फोन न. : 9968628081, 9555149955, 9013387535
E-mail : akhandpublishinghouse@gmail.com
akhandpublishing@yahoo.com
Website : www.akhandbooks.com

प्राकृतिक संसाधन
एक प्रतीकात्मक अध्ययन

Natural Resources
A Case study

संस्करण : 2018
© लेखक
ISBN: 978-93-81416-60-0

इस सम्पादित पुस्तक में लेखक द्वारा व्यक्त विचार उनके व्यक्तिगत हैं जिसका प्रकाशक से कोई संबंध नहीं है।

भारत में प्रकाशित

झपसू यादव 'अखण्ड पब्लिशिंग हाऊस' के द्वारा प्रकाशित।

SAMPLE COPY

समर्पण

मेरे आदरणीय स्व. दादाजी की याद में

नमूना • SAMPLE

नमूना • SAMPLE

अनुक्रम

प्राक्कथन 9

1. संकल्पनात्मक आधार 11

2. भौगोलिक पृष्ठभूमि 25

3. संसाधन वितरण एवं उत्पादन 57

4. संसाधनों का उपयोग 75

5. संसाधन उपभोग/उपयोग सम्बंधी समस्याएँ 92

6. सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु संसाधनों का नियोजन 103

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची 111

नमूना • SAMPLE

नमूना • SAMPLE

प्राक्कथन

स्वतंत्रता के बाद भारत में मार्च 1950 में योजना आयोग की स्थापना की गयी जिसका उद्देश्य था देश के प्राकृतिक और जीवीय संसाधनों का इस प्रकार अनुकूलतम उपयोग करना जिससे कि देश के लोगों का जीवन ऊँचा उठाया जा सके तथा पर्यावरण को सुरक्षित भी रखा जा सके।

देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए निर्मित योजनाओं के मूल्यांकन हेतु अगस्त 1952 में राष्ट्रीय विकास परिषद् की स्थापना की गयी। परिषद् देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए समय-समय पर उपाय सुझाती रहती है जिससे की योजनाओं का लक्ष्य और उद्देश्य पूरा हो सके। वर्तमान में योजना आयोग का स्थानापन्न 'नीति आयोग' और अधिक बेहतर प्रयास के लिए गठित किया गया है।

प्रस्तुत पुस्तक में प्राकृतिक संसाधन और उसके उपयोग से संबंधित विभिन्न आयामों का प्रतीकात्मक अध्ययन के माध्यम से विशद् विवरण प्रस्तुत किया गया है। सर्वप्रथम संकल्पनात्मक आधार को प्रस्तुत किया गया है जिससे कि अध्ययनकर्त्ता को विषय से संबंधित शब्दावलियों को समझने में कठिनाई न हो। तत्पश्चात अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक पृष्ठभूमि प्रस्तुत किया गया है और प्राकृतिक संसाधनों का वितरण एवं उत्पादन की व्याख्या की गयी है। अध्ययन क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की मात्रा और गुणवत्ता के आधार पर उपयोग को दर्शाया गया है। प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से संबंधित उत्पन्न होने वाली समस्याओं का विस्तृत विवरण दिया गया है। इस पुस्तक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण

SAMPLE

अध्याय अध्ययन क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का नियोजन है क्योंकि किसी क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास में वहाँ उपस्थित प्राकृतिक संसाधनों के नियोजन की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण होती है।

इस पुस्तक की रचना का उद्देश्य भूगोल के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और जिज्ञासुओं को प्राकृतिक संसाधन के विविध आयामों का शोध कार्य के आधार पर एक विश्वसनीय विवरण उपलब्ध कराना है। आशा है कि प्रस्तुत पुस्तक भारत के भूगोल के विद्यार्थियों, शोधकर्त्ताओं और जिज्ञासुओं के लिए लाभप्रद होगी।

डॉ. प्रीतम कुमार सिंह

नमूना • SAMPLE